

10.6.2015

पत्रावली राज राजन्व लोक अदालत  
अदालत सेवा केंद्र ग्राम-कोरप  
पत्रावली अर्को व उर्ध्वपक्षीगत  
व्यवस्था अर्को का प्रल वार  
स्वीकार हो जाने के एकमात्र प्र  
के चलने का कोई अर्थ नहीं है  
अतः प्रामाण्य स्वीकार किया जाता  
है। पत्रावली के लक्ष्य प्राप्त होकर  
नमक से रक्त है तथा शक्ति  
प्रल वार हो